नईदुनिया

प्रदेश की छह ऐतिहासिक धरोहरें यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल

मप्र टूरिज्म उक्त गंतव्यों के डॉजियर पर करेगा काम, स्थायी सूची में शामिल कराने के होंगे प्रयास

भोपाल (काप्र)।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने मध्य प्रदेश के छह दर्शनीय स्थलों को अपनी अस्थायी सूची में शामिल किया है। ये दर्शनीय स्थल ग्वालियर किला, धमनार का ऐतिहासिक समूह, भोजेश्वर महादेव मंदिर-भोजपुर, चंबल घाटी के रॉक कला स्थल, खूनी भंडारा, बुरहानपुर एवं रामनगर और मंडला का गोंड स्मारक हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की महान संस्कृति एवं सभ्यता विश्व पटल पर भी प्रतिष्ठित हो रही है। यूनेस्को के विश्व हेरिटेज सेंटर द्वारा भारत की अस्थायी सूची में मध्यप्रदेश की छह धरोहरों को सम्मिलित किया गया है। मध्यप्रदेश की अद्भुत एवं सांस्कृतिक धरोहर अब विश्व धरोहर के रूप में होगी प्रतिष्ठित होंगी। इस गौरव के क्षण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि प्रदेश के लिये यह गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों एवं संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रयास किये जा रहे हैं। सूची में नाम आने से गंतव्यों को लेकर जागरूकता बढ़ेगी, पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और साथ ही एक वैश्विक पहचान मिलेगी। यूनेस्को की अस्थायी सूची में नामांकन के लिये बोर्ड द्वारा इन ऐतिहासिक धरोहरों के नामांकन की प्रक्रिया की गई थी। अब यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की स्थायी सूची में इन स्थलों को सूचित कराने के लिये प्रयास शुरू किये जा चुके हैं।

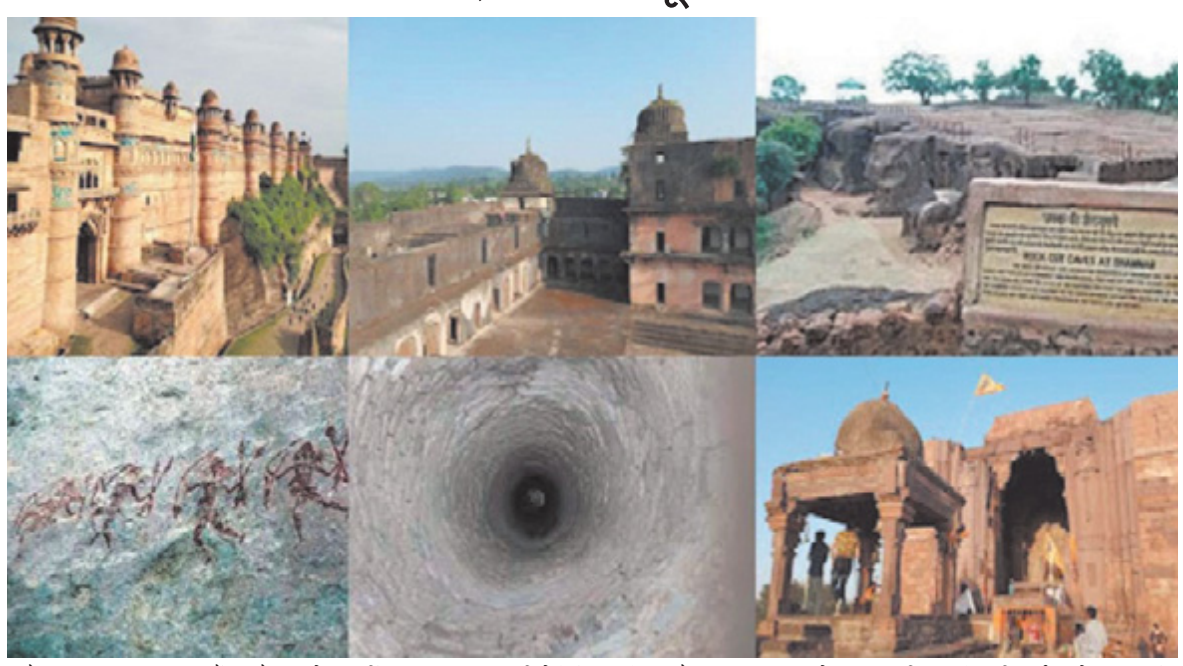

ग्वालियर किला- ग्वालियर में अपनी अभेद्य सुरक्षा के लिए जाना जाने ग्वालियर किला एक पहाड़ी पर स्थित है, जहाँ से शहर एवं आसपास का मनमोहक दृश्य नजर आता है। अपनी 10 मीटर ऊंची दीवारों के साथ, यह किला उत्कृष्ट मूर्तियों एवं उल्लेखनीय वास्तुकला से सुसज्जित है। इतिहासकारों के अनुसार, ग्वालियर किले की सबसे पहली नींव छठी शताब्दी ईस्वी में राजपूत योद्धा सूरज सेन द्वारा रखी गई थी। विभिन्न शासकों द्वारा आक्रमण और शासन करने के बाद, तोमरों ने 1398 में किले पर कब्ज़ा किया। तोमरों में सबसे प्रसिद्ध मान सिंह थे। उन्होंने ही किले परिसर के अंदर कई स्मारकों का निर्माण कराया था।

धमनार ऐतिहासिक समूह- धमनार गुफाएं मंदसौर जिले के धमनार गांव में स्थित हैं। चट्टानों को काटकर बनाई गई इस जगह पर 51 गुफाएं, स्तूप, चैत्य, मार्ग और सघन आवास हैं और इसे 7वीं शताब्दी ईस्वी में बनाया गया था। इस स्थल में बैठे हुए और निर्वाण मुद्रा में गौतम बुद्ध की विशाल प्रतिमा शामिल है। उत्तरी किनारे पर चौदह गुफाएँ ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण हैं, जिनमें बारी कचेरी (बड़ा प्रांगण) और भीमा बाज़ार उत्कृष्ट हैं। बारी कचेरी गुफा 20 फीट वर्गाकार है और इसमें एक स्तूप और चैत्य शामिल हैं। बरामदे में लकड़ी की वास्तुकला के साथ एक पत्थर की रेलिंग शामिल है।

भोजेश्वर महादेव मंदिर, भोजपुर- राजधानी भोपाल से लगभग 28 किमी दूर स्थित, भोजेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। एक ही पत्थर से उकेरा गया, गर्भगृह में विशाल लिंग लगभग 6 मीटर की परिधि के साथ 2.35 मीटर लंबा है। यह 6 मीटर वर्ग में तीन-स्तरीय बलुआ पत्थर के मंच पर स्थापित है। इसकी अद्भुत वास्तुकला की वजह से इसे पूर्व का सोमनाथ की उपाधि दी गई। भोजपुर गांव में एक पहाड़ी पर राजा भोज ने 1010 से 1053 ईस्वी के बीच निर्माण का आदेश दिया था। हालाँकि, मंदिर कभी भी अपने पूर्ण निर्माण तक नहीं पहुंच पाया।

रॉक आर्ट साइट ऑफ द चंबल वेली- चंबल बेसिन और मध्य भारत में विभिन्न ऐतिहासिक काल और सभ्यताओं से उत्पन्न रॉक कला स्थलों की दुनिया की सबसे बड़ी सघनता है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में फैले ये स्थल प्राचीन मानव निवास और सांस्कृतिक विकास की अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। पुरापाषाण काल से लेकर ऐतिहासिक काल तक फैली, रॉक कला दैनिक जीवन, धार्मिक अनुष्ठानों और शिकार प्रथाओं के दृश्यों को दर्शाती है। चंबल बेसिन में रॉक कला स्थल कलात्मक शैलियों और सांस्कृतिक प्रभावों का मिश्रण प्रदर्शित करते हैं, जो क्षेत्र के गतिशील इतिहास को दर्शाते हैं।

खूनी भंडारा, बुरहानपुर- अपनी तरह की अनोखी जल आपूर्ति प्रणाली खूनी या कुंडी भंडारा बुरहानपुर में स्थित है, जो 407 साल पहले तैयार की गई थी और भी संचालित है और लोगों के लिये उपयोगी है। इसका निर्माण 1615 में बुरहानपुर के शासक रहे अब्दुर्रहीम खानखाना ने करवाया था।

गोंड स्मारक, मंडला, रामनगर- मंडला जिले का रामनगर गोंड राजाओं का गढ़ हुआ करता था। सन् 1667 में गोंड राजा हृदय शाह ने नर्मदा नदी के किनारे मोती महल का निर्माण करवाया था। सीमित संसाधन और तकनीक के बावजूद पांच मंजिला महल राजा की इच्छाशक्ति की गवाही देता है। समय के साथ दो मंजिलें जमीन में दब गई हैं लेकिन तीन मंजिलें आज भी देखी जा सकती हैं।

सक्षम व्यक्तियों को प्रदेश में ही निवेश करने के लिए करें प्रोत्साहितः मुख्यमंत्री

भोपाल (काप्र)।

प्रदेश के सक्षम व्यक्तियों में निवेश के लिए विश्वास पैदा करें। उन्हें प्रदेश में ही निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें। प्रदेश के रॉ मटेरियल का उपयोग प्रदेश में ही उत्पाद बनाने के लिए होगा तो इससे स्थानीय रोजगार बढ़ेंगे। आमदनी में भी वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मंत्रालय में निवेश प्रोत्साहन हेतु मंत्रियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए रोड शो आयोजित करता है। इसी तरह निवेश को आकर्षित करने के लिए प्रदेश के बाहर रोड शो आयोजित करें। सहकारी क्षेत्र की कंपनियों को अधिक रियायत प्रदान कर प्राइवेट इंडस्ट्री के कंपटीशन में खड़ा करें। यह रियायत सहकारी संस्थाओं को न सिर्फ मजबूत करेगी बल्कि कृषकों की आय में वृद्धि का साधन बनेगी। इससे कृषकों को उनके उत्पादों के उचित दाम प्राप्त होंगे।

डॉ. यादव ने प्रदेश में उद्योग संवर्धन नीति 2014 अंतर्गत प्रावधानिक मुख्य सुविधाएं, निवेश प्रोत्साहन सहायता, अधोसंरचना विकास, हरित औद्योगिक सहायता सहित परिधान क्षेत्र की वृहद श्रेणी इकाइयों को विशिष्ट इकाई सहायता आदि प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की। निवेश प्रोत्साहन की विभिन्न योजनाओं पर आवश्यक निर्देश भी दिए।

जल संसाधन की वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संसाधन विभाग की वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की 123वीं बैठक मंत्रालय में ली। डॉ. यादव ने प्रदेश में सिंचाई सुविधा का लाभ हर कृषक को पहुंचाने के ध्येय को लेकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर परियोजनाएं बनाए और क्रियान्वित करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में क्रियान्वित हो रही सिंचाई परियोजनाओं की जानकारी ली और भावी सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण संबंधी आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एंदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव और उपाध्यक्ष नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण राजेश राजौरा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री गडकरी का माना आभार

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा उज्जैन जंक्शन रेलवे स्टेशन और महाकालेश्वर मंदिर के बीच मौजूदा रोपवे के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए हाईब्रिड एन्यूटी मोड के तहत 188.95 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि श्री महाकाल के श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ उज्जैन के विकास को गति देने वाला यह निर्णय अभिनंदनीय है। डॉ. यादव ने कहा कि प्रस्तावित रोपवे खासकर तीर्थयात्रा के दौरान भीड़भाड़ को कम करने में मदद करेगा और यात्रा के समय को घटाकर 7 मिनट तक कर देगा। रोपवे से प्रतिदिन हजारों तीर्थयात्रियों को सुविधा मिलेगी। यह पर्यटन के अनुभव को बेहतर बनाएगा और रोजगार के नए अवसर निर्माण करते हुए परिवहन के पर्यावरण-अनुकूल साधन प्रदान करेगा।

राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आज

राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय का 13 वां दीक्षांत समारोह 16 मार्च को प्रात: 10: 30 बज से 01:00 बजे तक आयोजित होगा। इस अवसर पर भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस हृषिकेश रॉय विश्वविद्यालय के विज़िटर के रूप में दीक्षांत उद्बोधन करेंग। न्यायाधीश रवि मलिमथ (मुख्य न्यायाधीश म.प्र उच्च न्यायालय एवं कुलाधिपति राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय) पात्र छात्र-छात्राओं को उपाधि एवं स्वर्ण, रजत व् कांस्य पदकों का वितरण करेंगे । विभिन्न पाठ्यक्रमों के पात्र छात्रों को वितरित की जाने वाली उपाधियों की कुल संख्या 217 है। विभिन्न पाठ्यक्रमों के पात्र छात्रों को वितरित किये जाने वाले स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों की संख्या 15 है।

कुलस्ते एवं पटेल ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का उद्घाटन

भोपाल (काप्र)।

केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते एवं प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने नरसिंहपुर जिले की जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत उमरिया में 20 लाख रुपये लागत के नवीन पंचायत भवन का उद्घाटन किया।

साथ ही गोटेगांव विधानसभा की नेगुवां पंचायत में लगभग 37 लाख रुपये की लागत से निर्मित गौशाला, सीसी नाली निर्माण एवं रोड निर्माण का भी उद्घाटन किया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री कुलस्ते ने कहा कि उनका गोटेगांव से पुराना रिश्ता रहा है, वे काफी अरसे से इस क्षेत्र से जुड़े हैं। आज जिन निर्माण कार्यों का उद्घाटन हुआ है, उनके बन जाने से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। आदिवासी समाज के उत्थान, उनकी संस्कृति-परम्परा व विरासत को जीवंत बनाये रखने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा जनजातीय मंत्रालय बनाया गया। इसके तहत जनजातीय क्षेत्रों के लिए अनुदान प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पीएम जन- मन योजना प्रारंभ की गई है, जिसका उद्देश्य दूरस्थ अंचल में रहने वाले आदिवासी समुदाय को सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराना है। सरकार आदिवासी समाज के कल्याण के लिये प्रतिबद्ध है। श्री पटेल ने कहा कि उमरिया पंचायत में नवीन पंचायत भवन, पुलिया, बाउंड्रीवॉल, सीसी रोड निर्माण, नाली निर्माण, पुलिया के लगभग 45 लाख रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया है। क्षेत्र की जनता को इन निर्माण कार्यों का लाभ मिलेगा। श्री पटेल ने कहा कि नेगुवां से उनकी चार पीढ़ियों से रिश्ता रहा है। जब वे पहले यहां आते थे, तो सड़कें नहीं हुआ करती थी। उस दौर में आने पर वही प्रेम व स्नेह मिलता था, जो आज मिल रहा है।

कांग्रेस के अंतर सिंह दरबार, पंकज सिंघवी भी भाजपा में शामिल

भोपाल (काप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, महामंत्री हितानंद, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं न्यू ज्वॉइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समक्ष प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को इंदौर के महू से कांग्रेस के पूर्व विधायक अंतरसिंह दरबार, वरिष्ठ नेता पंकज सिंघवी, धामनौद नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सीमा विष्णु पाटीदार, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव व मप्र कांग्रेस पान उत्पादक व व्यवसाय प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बसंत चौरसिया एवं मप्र राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन की प्रदेश महासचिव डॉ. अन्नपूर्णा शर्मा, रीवा मऊगंज के नगरपरिषद अध्यक्ष ब्रजवासी पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय त्रिपाठी, हनुमना नगरपरिषद अध्यक्ष आशुतोष गुप्ता, उपाध्यक्ष शरदजय गुप्ता, टीकमगढ़ के कांग्रेस जिला संगठन मंत्री अनिल बडकुल, जनपद उपाध्यक्ष ललित अहिरवार, वरिष्ठ चिकित्सक एवं विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय टोली के मध्यभारत क्षेत्र प्रन्यासी (ट्रस्टी) डॉ. वाणी अहलूवालिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्रीमती माया नारोलिया, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल एवं प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा उपस्थित रहे।

उपभोक्ता टोल फ्री नंबर पर घर बैठे कर सकेंगे शिकायत

भोपाल (काप्र)।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिये राज्य स्तर पर एक टोल फ्री नंबर जारी किया जायेगा। इस नंबर पर उपभोक्ता घर बैठे शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इनकी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जायेगी।

श्री राजपूत विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा जारी उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-2019 में उपभोक्ताओं के हित में महत्वपूर्ण प्रावधान किये गये हैं। इन प्रावधानों के तहत उपभोक्ता समुचित कार्यवाही कर सकते हैं। उपभोक्ताओं को वस्तु या सेवा के चयन सूचना, सुरक्षा एवं सुनवाई का अधिकार है। उपभोक्ता अनुचित व्यापार व्यवहारों पर उचित समाधान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता राइट टू रिपेयर अधिकार का भी पूरा उपयोग करें। किसी भी स्थिति में ठगे जाने से बचें। श्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश के 48 जिला मुख्यालयों में उपभोक्ता आयोग गठित हैं। जल्द ही अलीराजपुर, सिंगरौली, आगर-मालवा तथा निवाड़ी जिले में भी उपभोक्ता आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फरवरी 2024 तक राज्य आयोग में 63 हजार 886 प्रकरण दर्ज हुए हैं, जिसमें से 56 हजार 738 का निराकरण किया जा चुका है। इसी तरह सभी जिला उपभोक्ता आयोगों में 3 लाख 20 हजार 861 प्रकरण दर्ज हुए हैं, जिसमें से 2 लाख 90 हजार 333 का निराकरण किया जा चुका है। आयोग द्वारा उपभोक्ताओं की शिकायत पर समय-सीमा में कार्यवाही की जा रही है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि कहीं यदि हम ठगे जाते हैं, तो अपनी शिकायत जरूर दर्ज कराएँ। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस की सार्थकता तभी होगी, जब हम सभी अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगे।

घी की शुद्धता का परीक्षण

श्री राजपूत ने इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं घी और धनिया की शुद्धता का परीक्षण किया। श्री राजपूत ने कहा कि बाजार में विभिन्न उत्पादों की शुद्धता का परीक्षण नियमित रूप से होना चाहिए। उन्होंने राज्य स्तरीय उपभोक्ता संरक्षण पुरस्कार श्रेणी में अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन कटनी को एक लाख 11 हजार का प्रथम और सागर के एडवोकेट संतोष कुमार सोनी को 51 हजार रूपये का द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया। राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में कु. आयुषी श्रीवास्तव को प्रथम, कु. अवनी बैरागी को द्वितीय, गायत्री अहिरवार को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया। पोस्टर प्रतियोगिता में कु. देवी लोधी को प्रथम, कु. सोनाली वर्मा को द्वितीय और कु. अनुपमा काकोडिया को तृतीय पुरस्कार मिला। विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में भारतीय खाद्य निगम की प्रदर्शनी को प्रथम, मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन को द्वितीय और खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की प्रदर्शनी को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जागो-ग्राहक-जागो नाटिका का मंचन भी किया गया।

आयुक्त खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति रवीन्द्र सिंह ने विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण लोकेश जाटव, प्रबंध संचालक नागरिक आपूर्ति निगम पी.एन. यादव सहित अधिकारी एवं उपभोक्ता उपस्थित थे।